

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, बोले- संवेदनशीलता से करें हर पीड़ित की मदद

जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अधिकारियों को उपचार का एस्टीमेट जल्द तैयार कराकर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी समस्या का त्वरित और संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा



कि जनकल्याण और नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है। गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के पास पहुंचे और एक-एक कर उनकी शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने

जमीन पर अवैध कब्जा करने और कमजोर लोगों को उजाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने को कहा। पारिवारिक संपत्ति विवादों में संबंधित पक्षों से बातचीत कर समाधान निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों का निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ निस्तारण करने पर जोर दिया। साथ ही सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने

वालों को दिया भरोसा- जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अधिकारियों को उपचार का एस्टीमेट जल्द तैयार कराकर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा जरूरतमंदों से आयुष्मान कार्ड के बारे में जानकारी ली और कार्ड नहीं होने पर पात्र लोगों के कार्ड बनवाने को कहा। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ आई महिलाओं से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट दी

और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। गोशाला में गोवंश को खिलाई रोटी-गुड़, बच्चे का कराया अन्नप्राशन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश को दुलारा और अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया। मंदिर परिसर में परिजनों के साथ आए बच्चों से बातचीत की, उन्हें चॉकलेट दी और खूब पढ़ने का आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया।

संक्षिप्त समाचार

भारत एक लोकतंत्र है, न कि भीड़तंत्र: बीजेडी प्रमुख ने किया सीजेपी का समर्थन तो भड़की भाजपा

ओडिशा में भाजपा ने बीजद प्रमुख नवीन पटनायक पर सीजेपी नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि पटनायक राजनीतिक फायदे के लिए देश में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं। ओडिशा में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख नवीन पटनायक पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने पटनायक पर आरोप लगाया है कि वे राजनीतिक फायदे के लिए देश में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं। यह आरोप बीजद प्रमुख के दिल्ली में कॉन्फ्रेंस जनता पार्टी (सीजेपी) के दो नेताओं की तुरंत रिहाई की मांग के बाद लगाया गया। मंगलवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में भाजपा ने आरोप लगाया कि पटनायक सत्ता परिवर्तन की कोशिशों का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने सीजेपी के नेताओं (सौरव दास और आशुतोष रंका) की रिहाई की मांग की थी। ये दोनों 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर की ओर मार्च के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद से न्यायिक हिरासत में हैं। समय तक हिरासत में नहीं रखा जाना चाहिए। उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कहा, %पटनायक अपनी राजनीति चमकाने के लिए देश में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं। पार्टी ने पटनायक पर ऐसी गतिविधियों का समर्थन करने का भी आरोप लगाया, जिसे उसने सत्ता परिवर्तन की कोशिश बताया।

ड्रग्स की समस्या को करेंगे खत्म: गृह मंत्री अमित शाह ने लिया नशा-मुक्त भारत का संकल्प, तारीख भी बता दी

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर गृह मंत्री अमित शाह ने 31 दिसंबर, 2029 तक भारत को नशा-मुक्त बनाने का बड़ा लक्ष्य रखा है। उन्होंने देश को ड्रग्स मुक्त करने के लिए सभी से एकजुट होकर काम करने की अपील की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को 31 दिसंबर, 2029 तक भारत को नशा-मुक्त बनाने की घोषणा की। उन्होंने 2026 के बाकी समय और अगले तीन साल में नशीले पदार्थों के खिलाफ एकजुट लड़ाई की अपील की। शाह ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नेशनल पुलिस मेमोरियल पर पुलिस स्मृति दिवस पर भाषण देते हुए यह घोषणा की और कहा कि ड्रग्स की समस्या पूरे देश के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस मौके पर शाह ने कहा, %हमने 31 दिसंबर, 2029 तक भारत से ड्रग्स की समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पाने के लिए गृह मंत्री ने 2026 के बाकी समय और अगले तीन साल में नशीले पदार्थों के खिलाफ एकजुट लड़ाई की अपील की। उन्होंने देश भर के पुलिस बलों से आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तय लक्ष्य के



मुताबिक, नशा-मुक्त भारत के रोडमैप पर पूरे दृढ़ता के साथ काम करें और आने वाली पीढ़ियों को नशे के बुरे असर से बचाएं। शाह ने कहा कि ड्रग्स का खतरा एक गंभीर चुनौती है क्योंकि यह आने वाली पीढ़ियों को नुकसान पहुंचाता है, अर्थव्यवस्था पर बेवजह बोझ डालता है और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल संगठनों को आर्थिक रूप से मदद देता है। उन्होंने देश के वीर जवानों

को श्रद्धांजलि भी दी और उनके परिवारों के साथ एकजुटता दिखाई। शाह ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक कुल 36,852 पुलिसवालों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान दी है, जिसमें इस साल 154 लोगों ने सबसे बड़ा बलिदान दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि देश के नागरिक शहीदों और उनके परिवारों के बलिदान के लिए आभारी हैं। बता दें कि 21 अक्टूबर, 1959 को हॉट स्पिंग्स, लद्दाख में भारी हथियारों से लैस

चीनी सैनिकों के हमले में दस बहादुर पुलिसवालों ने अपनी जान दे दी थी। तब से, हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के तौर पर मनाया जाता है। पुलिसवालों के बलिदान और देश की सुरक्षा और एकता बनाए रखने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका को देखते हुए, प्रधानमंत्री ने पुलिस स्मृति दिवस 2018 पर चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में नेशनल पुलिस मेमोरियल (एनपीएम) देश को समर्पित किया।

किरेन रिजिजू सिर्फ मोहरा: खरगे ने पीएम मोदी पर कसा तंज, कहा- विपक्ष के सवालों का खुद क्यों नहीं देते जवाब?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने परिसीमन संशोधन विधेयक को लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को सरकार का मोहरा बताते हुए विपक्ष के अपमान का आरोप लगाया। खरगे ने चेतावनी दी कि सरकार की मनमानी और कथित तानाशाही का जवाब जनता देगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को भाजपा पर निशाना साधा। दरअसल, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने परिसीमन संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग को लेकर खरगे को पत्र लिखा था। इस पर ही खरगे ने कहा कि किरेन रिजिजू को उतना ताकत नहीं दी गई है। उनका इस्तेमाल सिर्फ एक मोहरे की तरह किया जा रहा है।



है? वे विपक्ष के नेताओं का अपमान कर रहे हैं।%खरगे ने आगे कहा, वे सभी विपक्षी दलों का अपमान कर रहे हैं। और वे (प्रधानमंत्री) जवाब क्यों नहीं देते? आपको जवाब देना चाहिए। हम जो कहते हैं, उस पर आपको ध्यान देना चाहिए। क्या आप कानून से ऊपर हैं? क्या आप संविधान से ऊपर हैं? आप 543 सांसदों में से एक हैं, और उनमें आप नंबर एक पर हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप जो चाहें, वह कर सकते हैं।%इसके बाद वे कहते हैं कि अगर आपने मन बना ही लिया है कि आप मनमानी करेंगे और तानाशाही दिखाएंगे, तो इस देश की जनता चुप नहीं बैठेगी। वे आपको सत्ता से हटा देंगे और आपकी विचारधारा को ही जड़ से खत्म कर देंगे। आज दशहरा है, जो एक बहुत महत्वपूर्ण दिन है। मैं साफ-साफ कह देना चाहता हूं। अगर उन्होंने ये हथकंडे नहीं छोड़े और अब तक की गई गलतियों को नहीं सुधारा, तो

जनता पक्का उन्हें सजा दिलाएगी। खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर क्या मांग की थी? रिजिजू ने अपने पत्र में बताया कि खरगे ने 16 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर परिसीमन संशोधन विधेयक को संसद में विचार के लिए लाए जाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी। इसके जवाब में रिजिजू ने सरकार की ओर से विपक्ष के साथ हुई बातचीत और पत्राचार का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार इस विधेयक पर विपक्ष का समर्थन और सहयोग मांगती रही है। पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार संसद में चर्चा और विचार-विमर्श के लिए तैयार है। इसके साथ खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से तीन सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि आखिर और कितने बेगुनाह लोगों की जान जाने के बाद वे कोई कदम उठाएंगे? खरगे ने एक्स पर लिखा, भाजपा की अक्षमता के कारण मणिपुर फिर से खून से लथपथ है। हिंसा की ताजा घटनाओं में चार बेगुनाह नागरिकों की बेरहमी से हत्या की गई है, जो बेहद निंदनीय है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने बताया कि मई 2023 से अब तक 300 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 24,530 लोग बेहद दयनीय हालत में राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

प्रदेश के मदरसों में अब शुक्रवार को नहीं होगी छुट्टी, अन्य विद्यालयों की तरह लागू होगी व्यवस्था

उत्तराखंड में शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले 206 मदरसों की साप्ताहिक छुट्टी की व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब इन मदरसों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। उत्तराखंड में शिक्षा विभाग से मान्यता लेने वाले और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले 206 मदरसों में अब शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश नहीं होगा। इनमें अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की ओर से स्पष्ट किया गया है कि शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करने या मान्यता के लिए आवेदन करने वाले मदरसों को विभागीय मानकों और निर्धारित शैक्षिक व्यवस्था



का पालन करना होगा। इसी क्रम में शुक्रवार की छुट्टी की व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब इन मदरसों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू होगी। इस व्यवस्था का असर उन मदरसों पर भी पड़ेगा, जो राज्य की मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था से जुड़ने के लिए शिक्षा विभाग से मान्यता लेने की प्रक्रिया में हैं। प्राधिकरण का उद्देश्य मदरसा शिक्षा को अनुरूप लाते हुए विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना है। 176 मदरसों को मिली शिक्षा विभाग से मान्यता प्रदेश में 76 मदरसों को शिक्षा विभाग मान्यता दे चुका है। इसमें हरिद्वार के 270 में से 44, ऊधमसिंह नगर के 119 में से 24, देहरादून के 41 में से छह,

नैनीताल के 18 में से दो मदरसों को शिक्षा विभाग की ओर से मान्यता दी जा चुकी है। इसके अलावा 114 अन्य मदरसों ने मान्यता के लिए शिक्षा विभाग में आवेदन किया है। 206 मदरसों के 30 हजार से अधिक बच्चे जुड़े शिक्षा की मुख्यधारा में राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी के मुताबिक राज्य में मदरसा शिक्षा व्यवस्था में बदलाव के बीच 206 मदरसों के करीब 30 हजार से अधिक बच्चे मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ चुके हैं। सामान्य गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। मदरसों में पहले केवल धार्मिक शिक्षा दी जाती थी, लेकिन अब धार्मिक शिक्षा के साथ ही विद्यालयी शिक्षा भी दी जा रही है।

संपादकीय Editorial

A blow to business

On November 1st, Congress will hold a rally at the historic Ramlila Maidan in the capital, Delhi. The Samajwadi Party will also support it. The Delhi Police has granted permission. A No Objection Certificate (NOC) has also been issued from October 25th to November 3rd. Congress claims that over 500,000 people will travel during the public rally. If this situation persists, Delhi's roads will be flooded with people, traffic will be severely disrupted, and accidents are also possible! Have the police made all these assessments? The declared capacity of Ramlila Maidan is 60,000-65,000, but we have seen crowds of up to 100,000. From Jayaprakash Narayan to Baba Ramdev and Anna Hazare, numerous public rally addresses are etched in history. They have changed the course of time and created new public awareness, leading to the rise and fall of governments. However, the country's corrupt system, communal mentality, class discrimination, unemployment and poverty remain largely unresolved issues. Rather, these are national problems. Until now, the ruckus and protests around Jantar Mantar and Connaught Place have brought business to a standstill, but those conditions could now spread to Ramlila Maidan. Constitutional and human rights also concern the business community, shopkeepers, and street vendors. The fundamental issue isn't "vote theft," but rather Prime Minister Modi, Home Minister Amit Shah, Sarsanghchalak Mohan Bhagwat, and the "most ruthless villain," Chief Election Commissioner (CEC) Gyanesh Kumar Gupta. The Congress and its supporting opposition are already actively strategizing for the 2029 elections, aiming to wrest the mandate from the BJP-NDA. As part of this strategy, sometimes the Youth Congress, sometimes the alleged students of the NSUI, sometimes other organizations, and finally, Rahul Gandhi, are taking to the streets to protest. Of course, this is their constitutional right. But if business is ruined, shops are forced to close even during the festive season, and ultimately, losses are estimated at ₹20,000 crore, then perhaps these provisions are not in the Constitution. Trade organizations estimate that the recent protests and chaos have already caused losses of ₹1,800 crore in retail trade and ₹300 crore in wholesale trade. Business has declined by approximately 80% in Connaught Place and Janpath alone, and by 90% in Palika Bazaar and Khan Market. The number of shoppers has dropped from an average of 200,000 per day to 30,000-40,000. People call to ask if the metro is running. Is the police and security forces still fortified or has it decreased? In New Delhi's Lutyens' Zone, where the President, Prime Minister, ministers, MPs, and judges live, 27,000-28,000 soldiers are still deployed! Is there a threat of war? According to trade organizations, last year, during the festive season from Navratri to Diwali and Chhath Puja, business worth ₹6 lakh crore was generated. This time, the situation is such that approximately 50,000 daily wage laborers are unable to find work. If the situation does not calm down by Diwali, the total loss could reach ₹20,000 crore. Therefore, traders have demanded a relief package from the government.

Ayushman Bharat Yojana is also protecting against poverty.

The Ayushman Bharat Yojana is proving to be a boon for the poor, offering not only health insurance but also a social policy that protects against poverty and debt. Ayushman Bharat Yojana: Health security and social policy for the poor. Free treatment provides relief from the vicious cycle of poverty and debt. Over 42 crore Ayushman cards have been issued, benefiting millions. The Ayushman Bharat Yojana, launched by the Modi government, recognizing the interconnectedness of public health and poverty in Indian society, is proving to be a boon for the poor, marginalized, and needy. This scheme has many dimensions. The Ayushman Bharat Yojana is not just a health insurance scheme; it is also a social policy that connects individuals to a dignified life and equal opportunities. The objective of this scheme is to provide quality life to the socially and economically disadvantaged through health insurance. The Ayushman Bharat



Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana aims to ensure access to quality healthcare for every section of society. Studying the social impact of this scheme among marginalized social groups not only provided a tangible glimpse of its grassroots impact but also helped understand its multifaceted impacts. During my fieldwork in villages, I observed that this scheme is positively impacting the lives of marginalized sections of society. It not only protects their lives through health insurance but also rescues them from the vicious cycle of poverty and debt. Free treatment for critical illnesses and improved healthcare facilities,

coupled with improved efficiency, have led to improved family life and enabled individuals to fulfill their social and economic responsibilities. With the help of the Ayushman scheme, beneficiaries are able to return to their socio-economic lives after proper recovery and enjoy a quality life. Thus, this scheme is positively impacting both social and economic participation through health coverage. The most significant impact of this scheme is that it is becoming an effective tool for social inclusion and reducing health inequalities. In Indian society, especially rural society, where structural inequalities are

widespread, this scheme is providing quality healthcare to vulnerable and disadvantaged groups, cutting across social discrimination and access to hospital access, health awareness, and free treatment for serious illnesses. This scheme is bringing a new lease of life to the underprivileged. The poverty rate in India is gradually declining, but 12.4 percent of the total population still lives below the poverty line. Health expenditure plays a major role in this poverty. 62.6 percent of total health expenditure in India is paid out-of-pocket. India is the world's leading country in out-of-pocket health

expenditure. This out-of-pocket expenditure on health has played a major role in the prevalence of poverty in India. When a poor person falls ill, they often borrow money from moneylenders. A large number of people from disadvantaged sections of society borrow money from moneylenders and informal intermediaries. According to data from the National Sample Survey Organization, approximately 2.61 percent of India's poverty growth is due to healthcare expenses. Debts incurred for medical treatment continue to grow like compound interest. If a member of a poor family remains ill for a long time and is forced to stay at home or in a hospital, the family continues to sink deeper into poverty due to lack of income generation. Recognizing these circumstances, the Government of India launched the Ayushman Bharat Yojana. Under the Ayushman Bharat Yojana, every poor

family receives cashless treatment up to ₹5 lakh per year in government and listed hospitals. According to data, over ₹1.92 lakh crore has been provided for the treatment of over 12.69 crore hospitalizations. A total of over 42.31 crore Ayushman cards have been issued in India under this scheme. Of these, 49 percent are in the name of women and 51 percent in the name of men. In Uttar Pradesh alone, more than 5.59 crore Ayushman cards have been issued under this scheme. An elderly village woman said, "When I had a stomach ailment, I thought I wouldn't survive. Poor people don't have the means to go to the hospital. Somehow my son learned about the Ayushman scheme. He went to the hospital with it and was treated." This public health scheme has spread its influence to villages and urban slums. It has not only helped a segment of society escape poverty, but has also made them feel that the government understands their needs and is sensitive to them.

Attacking the Credibility of Constitutional Institutions

The Congress party and its coalition, led by Rahul Gandhi, adopted the strategy of questioning the functioning of constitutional institutions to challenge the legitimacy of the Modi government from its first term. Questions are being raised about the credibility of constitutional institutions. The Election Commission, the judiciary, and the National Security Agency (NTA) face a crisis of credibility. Restoring credibility is essential for democracy and the economy. The credibility of national institutions is like a pearl and a human's hair; once lost, it cannot be restored. Especially the credibility of constitutional and regulatory institutions, on which the edifice of democracy rests. Maintaining their credibility is essential for national stability. However, in a democracy, power can

be achieved only in two ways: by exposing the government's failures and presenting better policies to the public, or by questioning the legitimacy of the constitutional institutions that support the country. This seems to be the opposition's strategy. Its aim is to create doubt in the public's minds about the decisions of constitutional institutions without presenting facts and evidence. Just as in court, the defense casts doubt on the prosecution's allegations. He hopes that the public, like a jury, will do the rest, making his path easier. The Congress and its alliance, led by Rahul Gandhi, adopted the strategy of questioning the functioning of constitutional institutions to challenge the Modi government's legitimacy from its first term. On demonetization and the

Rafale aircraft deal with France, the opposition accused the Comptroller and Auditor General (CAG) of releasing audit reports to suit the government. Despite no evidence of bribery in the Rafale deal, Rahul Gandhi not only continued to raise slogans like "The Watchman is a Chor" (the watchman is a thief) but also tried to give the impression that the Supreme Court agreed with his allegations. Controversy then arose over the nomination of former Chief Justice Ranjan Gogoi to the Rajya Sabha, which was described as a reward for his decision in the Ram Mandir case. The government attempted to defend itself by recalling past decisions, such as the election of Ranganath Mishra to the Rajya Sabha, but it is difficult to say how much this dispelled doubts about the Supreme Court's

credibility. India is among the handful of major democracies in the world where an institution like the Election Commission conducts all national elections and functions autonomously. Therefore, it is natural for the Election Commission to become a target of opposition frustrated by repeated or unexpected defeats. It is worth noting that until 2023, Election Commissioners were appointed on the recommendation of the Prime Minister and his Cabinet, leading to accusations of the Commission acting under government pressure. In March 2023, a five-member Supreme Court bench abolished the practice of government-appointed appointments and formed a three-member interim committee for appointments, consisting of the Chief Justice, the Prime

Minister, and the Leader of the Opposition in the Lok Sabha. In December of that year, the Modi government passed a bill replacing the Chief Justice on this committee with a Cabinet Minister nominated by the Prime Minister. This move by the government became the root of the opposition's suspicions about the Election Commission's impartiality. In such a climate, the lack of transparency in the SIR process for the purification of voter lists before elections in politically important states like Bihar, Bengal, and Uttar Pradesh added fuel to the fire of suspicion. In a democracy, preventing illegal voting is as crucial to the validity of the mandate as ensuring the right to vote for legitimate voters. The Commission has yet to provide a figure for the

number of illegal voters and infiltrators among the deleted names, excluding the deceased and displaced. However, thousands of legitimate voters have been deleted, including many prominent individuals. Doubts remain about whether the three commissioners agreed to the additional information clause for certifying eligibility in the online voter registration form, and about how many forms one could fill to have their name deleted from the list. It is unclear why the Commission remains silent despite knowing that the credibility of the mandate rests on its credibility, and the credibility of the government depends on the credibility of the mandate, without which no government can carry out normal operations, let alone institute reforms. This credibility crisis is not limited to the Election.

मुरादाबाद में दोस्तों ने ली जान: किसान कुलदीप की गोली मारकर हत्या, शराब पीने के बाद हुआ विवाद, इलाके में सनसनी

मुरादाबाद के डिलारी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव में मंगलवार की रात करीब साढ़े आठ बजे किसान कुलदीप सिंह (38) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुलदीप की पत्नी प्राची ने कुलदीप के ही दोस्त योगेश, प्रदीप और प्रदीप के भाई भूपेंद्र और भूपेंद्र के बेटे शैलेंद्र पर गोली मारने का आरोप लगाया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग गए। घटना से कुछ समय पहले ही



हत्यारोपी प्रदीप और योगेश के साथ कुलदीप साथ शराब पीने

के बाद घर लौटे थे। पुलिस ने हत्यारोपियों की तलाश में जुट

गई है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह बताया कि डिलारी

थाना क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी कुलदीप सिंह अपने छोटे भाई राजेंद्र सिंह के साथ खेतीबाड़ी करते थे। कुलदीप के एक भाई फौज में हैं और उनकी तैनाती असम में है। कुलदीप की पत्नी प्राची ने पुलिस को बताया कि योगेश और प्रदीप उसके पति को रोज शराब पिलाने के लिए जाते थे। सोमवार की शाम भी यह लोग अपने साथ ले गए थे। शराब पीने के बाद घर लौट आए थे। किसी बात को लेकर प्रदीप से कुलदीप का विवाद हो गया था। इसके बाद प्रदीप अपने साथ अपने भाई भूपेंद्र, भूपेंद्र के बेटे शैलेंद्र और योगेश को लेकर कुलदीप के घर आ गया। शोर-शराबा सुनकर कुलदीप घर से बाहर आए तो आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया इसी दौरान शैलेंद्र ने तमंचे से कुलदीप के

पेट में गोली मार दी। गोली लगने से वह लहलुहान होकर नीचे गिर गए। फायरिंग की आवाज सुनकर परिजन और आस-पड़ोस के लोग आ गए। इसके बाद हमलावर धमकी देकर भाग गए। परिजन घायल को लेकर डिलारी के सरकारी अस्पताल ले गए सूचना मिलने पर पुलिस भी आ गई। हालत गंभीर होने पर कुलदीप को रेफर कर दिया गया। परिजन घायल को जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। इससे परिवार में चीख-पुकार मच गई। कुलदीप का तीन साल का बेटा जीत हैं। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि कुलदीप की पत्नी ने चार लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस टीम हत्यारोपियों की तलाश में जुट गई है।

रामपुर में सनसनीखेज वारदात: एक दिन में उजड़ गया परिवार, सड़क किनारे मिला बेटे का शव, खेत में लटके मिले पिता

शाहबाद-बिलारी मार्ग पर ईट भट्टे पर मजदूरी करने आए संभल निवासी पिता-पुत्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बेटे मिट्टन का शव सड़क किनारे जबकि पिता चंद्रसेन का शव ईख के खेत में पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। शाहबाद-बिलारी मार्ग पर ईट भट्टे पर मजदूरी करने आए पिता-पुत्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार को 30 वर्षीय बेटे मिट्टन का शव सड़क किनारे मिला था। उसकी मौत की खबर मिलने



के बाद 60 वर्षीय पिता चंद्रसेन लापता हो गए। मंगलवार को उनका शव भट्टे के पास ईख के

खेत में पेड़ से लटका मिला। एक के बाद एक पिता-पुत्र की मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल

गई। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। युवक की मौत के कारणों

की पुष्टि नहीं होने पर विसरा सुरक्षित किया गया है, जबकि पिता की मौत को पुलिस प्रथम दृष्टया आत्महत्या मान रही है। संभल के धनारी थाना क्षेत्र के खजुरा छपरा गांव निवासी मिट्टन (30) अपने पिता चंद्रसेन (60) के साथ 15 अक्टूबर को मजदूरी करने सैफनी क्षेत्र में आए थे। दोनों शाहबाद-बिलारी मार्ग पर धनौरा गांव के मोड़ के पास मेहर अली खां के पेट्रोल पंप के सामने स्थित ईट भट्टे पर काम कर रहे थे। सोमवार को मिट्टन का शव मार्ग किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस

ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बेटे की मौत की खबर मिलने के बाद चंद्रसेन भी लापता हो गए। सोमवार देर रात उनके गायब होने पर लोगों ने तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। मंगलवार को करीब तीन बजे भट्टे के बराबर स्थित ईख के खेत में पेड़ से उनका शव लटका मिला। शव मिलने की सूचना पर मौके पर भीड़ जुट गई। थाना प्रभारी पंकज पंत पुलिस बल के साथ पहुंचे और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए।

रामपुर जेल में तय होंगे वेस्ट यूपी के बेस्ट: आज आजम – अखिलेश का मंथन, इन मामलों को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाएगी सपा



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कल गुरुवार को रामपुर जेल में आजम खां से मुलाकात करेंगे। इस दौरान विधानसभा चुनाव की रणनीति और उम्मीदवारों पर चर्चा हो सकती है। इसके साथ ही गठबंधन की स्थिति में सीटों के बंटवारे पर भी चर्चा संभव है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से सपा नेता आजम खां के खिलाफ एक और एफआईआर के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव का 22 अक्टूबर का रामपुर दौरा राजनीतिक नजरिए से काफी अहम है। रामपुर जेल में सपा के दो

दिग्गजों की छोटी सी मुलाकात विधानसभा चुनाव के लिहाज से बड़े फैसलों की बुनियाद भी डाल सकती है। इस बीच चुनाव के लिए पश्चिमी यूपी के संभावित चेहरों और सपा के चुनावी मुद्दों पर मंथन लगभग तय माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव की बात करें तो मुरादाबाद मंडल ही नहीं पश्चिमी यूपी की अधिकांश सीटों पर सपा और आजम खां का प्रभाव नजर आता है। सपा शासन में मिनी मुख्यमंत्री कहे जाने वाले आजम खां भले ही लंबे समय से जेल में हैं और इस बीच के कुछ चुनावों में उनकी या उनके परिवार की सीधी हिस्सेदारी

नहीं हो सकी लेकिन इसके बाद भी सपा के नीतिगत मामलों में उनका दखल और प्रभाव कम नहीं हुआ है। जेल बंदी के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का समय-समय पर उनसे या उनके परिवार से मिलना भी पार्टी में उनके कद की अहमियत बताता है। पिछले (वर्ष 2022 के) विधानसभा चुनाव की बात करें तो टिकट के फैसलों से लेकर चुनाव संचालन तक सपा सुप्रीमो ने उनकी राय को तरजीह दी थी। इस चुनाव के नतीजों में पश्चिमी यूपी के दायरे में गिने जाने वाली 126 सीटों में से 41 पर सपा-रालोद गठबंधन ने जीत दर्ज की थी। इनमें से

33 सीटें सपा उम्मीदवारों के खाते में थीं। मुरादाबाद मंडल की 27 सीटों में से 17 पर सपा हुई सफल-मुरादाबाद मंडल की 27 सीटों में से 17 पर सपा को सफलता मिली थी। मंडल में मुरादाबाद जिले की छह में से पांच सपा के पास आई थीं तो रामपुर में पांच में से तीन, संभल में चार में से तीन, अमरोहा में चार में से दो सपा के खाते में आईं। जबकि बिजनौर जिले की आठ में से चार सीटों पर सपा ने कब्जा जमाया था। इन सीटों की हार-जीत के पीछे तात्कालिक राजनीतिक समीकरण कुछ भी रहे हों लेकिन पश्चिमी यूपी के निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण अधिकांश पर सफलता का सेहरा आजम खां के सिर बंधा था। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हर दल की सरगमी बढ़ चुकी है। पश्चिमी यूपी के लिए सपा के उम्मीदवारों के नामों पर विचार विमर्श लगभग तय-जिताऊ प्रत्याशी की तलाश के लिए सपा और भाजपा प्राइवेट कंपनियों से सर्वे भी करा रही हैं। लिहाजा ऐसे समय में जेल में बंद आजम खां से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मुलाकात में पश्चिमी यूपी के लिए सपा के उम्मीदवारों

के नामों पर विचार विमर्श लगभग तय है। जानकारों का अनुमान है कि इस मुलाकात में पश्चिमी यूपी के लिहाज से उन विषयों पर भी चर्चा हो सकती है, जिन्हें मुद्दा बनाकर सपा को चुनावी रुख अपनी ओर करने में मदद मिल सकती है। कहा जा रहा है कि आजम खां और उनके ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनियर्सिटी पर कसा जांच एजेंसियों का शिकंजा और उसके छात्रों का लंबा आंदोलन सपा के लिए बड़ा मुद्दा हो सकता है। इसी तरह संभल में हरिहर मंदिर बनाम जामा मस्जिद के मुकदमे की शुरुआत के साथ भड़की हिंसा तथा हाल ही में सदन में पेश हुई उसकी न्यायिक जांच रिपोर्ट भी सपा चुनावी एजेंडे में ला सकती है। गठबंधन की स्थिति में सीटों के बंटवारे पर भी संभव है चर्चा रामपुर जेल में आजम खां से अखिलेश यादव की मुलाकात के दौरान संभावित सियासी चर्चाओं में चुनाव के समय गठबंधन की स्थिति और गठबंधन होने पर सीटों के बंटवारे का गणित भी एक विषय हो सकता है। अभी तक के परिदृश्य में विधानसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस का साथ लगभग

तय माना जा रहा है। अगर ऐसा होता है तो दोनों दलों के लिए बड़ी चुनौती सीटों के हिस्सा-बांट में होगी। कांग्रेस भले लंबे समय से सत्ता से दूर है लेकिन पश्चिमी यूपी की कई सीटों पर कांग्रेसी अपनी मजबूती का दावा करने में पीछे नहीं हैं। इन स्थितियों में सीटों के बंटवारे से लेकर चुनाव संचालन तक दोनों दलों के नेताओं में तालमेल बना पाना भी आसान नहीं होगा। रामपुर जेल में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की आजम खां से मुलाकात होनी है। आजम खां की तबीयत भी खराब चल रही है। वह उनका हाल जानेंगे। दोनों पार्टी के बड़े नेता हैं। ये स्वभाविक है कि जब ये दोनों नेता मिलेंगे तो सियासी बातें भी होंगी। ये बातें किस पहलु पर होगी ये तो सिर्फ वही जानते होंगे या फिर परिवार के लोग। - फिरोज खां, प्रभारी मुरादाबाद, शिक्षक एमएलसी चुनाव22 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रामपुर आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। वह जेल में बंद आजम खां से मुलाकात करेंगे। उनका हाल जानेंगे। इसके अलावा राजनीति को लेकर कई मुद्दों पर बातचीत भी कर सकते हैं। - आसिम राजा, सपा नगर अध्यक्ष

संक्षिप्त समाचार

चाय में मिला लोहा: रामपुर की फहमीदा कलर मसाला और गुडवाइल टी की बिक्री पर रोक, सैंपल फेल होने के बाद कार्रवाई

रामपुर की फहमीदा कलर मसाला टी और गुडवाइल टी में लोहे के बारीक कण और प्रतिबंधित रंग की मिलावट मिलने



पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनपद में इनकी बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। करीब तीन माह पहले लिए गए नमूने जांच में फेल होने के बाद विक्रेताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। रामपुर में फहमीदा कलर मसाला टी और गुडवाइल टी के नाम से बिक रही चाय में लोहे के बारीक कण और प्रतिबंधित रंग की मिलावट सामने आई है। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनपद में इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। करीब तीन माह पहले तीन स्थानों से लिए गए नमूनों के सैंपल जांच में फेल मिलने पर यह कार्रवाई की गई है। इसके बाद विभाग ने संबंधित विक्रेताओं को नोटिस जारी कर बिक्री रोकने के निर्देश दिए हैं। हैरानी की बात यह है कि सैंपल लेने के तीन माह बाद भी विभाग को यह पता नहीं है कि इसका उत्पादन जिले में कहाँ हो रहा है और कहाँ-कहाँ आपूर्ति की जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने 21 जुलाई को रामपुर की अनाज मंडी स्थित पीके ट्रेडर्स के यहां से 28,080 रुपये कीमत की 78 किलो फहमीदा कलर मसाला टी जब्त की थी। इसके अलावा 22 जुलाई को टांडा के मोहल्ला हाजीपुर में मोहम्मद जुनैद की दुकान पर दबिश देकर सात किलो फहमीदा कलर मसाला टी जब्त की गई थी। इनके सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे जिनकी रिपोर्ट सामने आने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग हरकत में आया है। विभाग ने संबंधित विक्रेताओं को नोटिस जारी कर बिक्री बंद करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अन्य दुकानदारों को भी चेतावनी दी गई है कि वे इस चाय की बिक्री न करें। कहीं भी बिक्री होती मिलने पर संबंधित विक्रेता के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्यवाहक खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजीव कुमार का कहना है कि फहमीदा कलर मसाला टी और गुडवाइल टी के सैंपल फेल होने के बाद जनपद में इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है। उनका कहना है कि फहमीदा कलर मसाला टी का उत्पादन कहाँ हो रहा है और किन-किन दुकानों पर इसकी आपूर्ति की जा रही है, इसका पता लगाया जा रहा है। स्वार में बन रही गुडवाइल टी -कार्यवाहक खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजीव कुमार का कहना है कि स्वार के मोहल्ला रसूलपुर स्थित इमरान एंटरप्राइजेज पर 20 जुलाई को दबिश देकर 35 किलो गुडवाइल टी जब्त की गई थी। इसके नमूने भी जांच के लिए भेजे गए थे। इसमें भी लोहे के बारीक कण पाए गए हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। उन्होंने बताया कि इमरान एंटरप्राइजेज ही गुडवाइल टी का उत्पादन करता है। अब यह पता किया जा रहा है कि इसकी आपूर्ति कहाँ-कहाँ की जाती है। फहमीदा कलर मसाला टी और गुडवाइल टी दोनों में एक जैसी कमियाँ पाई गई हैं। ऐसे में यह भी देखा जा रहा है कि दोनों का उत्पादनकर्ता एक ही तो नहीं है। सेवन से कैंसर और अल्सर का खतरा = डा. बीके वर्मा रामपुर जिला अस्पताल के फिजिशियन डा. बीके वर्मा का कहना है कि लोहे के बारीक कण और प्रतिबंधित रंग वाली चायपत्ती का सेवन बेहद खतरनाक हो सकता है। इसके लगातार सेवन से कैंसर और अल्सर का खतरा रहता है। साथ ही कई अन्य गंभीर बीमारियाँ भी हो सकती हैं। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के दौरान फहमीदा कलर मसाला टी और गुडवाइल टी वजन में अपेक्षाकृत भारी होने के कारण मिलावट का शक हुआ। इसके बाद सैंपल जांच के लिए भेजा गया तो उसमें लोहे के बारीक कण और प्रतिबंधित रंग पाए गए। इसकी बिक्री पर रोक लगाने के साथ ही जांच पड़ताल की जा रही है। -संजीव कुमार, कार्यवाहक खाद्य सुरक्षा अधिकारी

डिलारी के गोविंदपुर गांव में किसान कुलदीप की गोली मारकर हत्या , इलाके में सनसनी



@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद। डिलारी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव में मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे 38 वर्षीय किसान कुलदीप सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मृतक की पत्नी प्राची ने भूषेंद्र और उसके बेटे शैलेंद्र पर गोली मारने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक डिलारी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव में मंगलवार की रात करीब साढ़े आठ बजे किसान कुलदीप सिंह (38) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुलदीप की पत्नी प्राची ने कुलदीप के ही दोस्त योगेश, प्रदीप और प्रदीप के भाई भूपेंद्र और भूपेंद्र के बेटे शैलेंद्र पर गोली मारने का आरोप लगाया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग गए। घटना से कुछ समय पहले ही हत्यारोपी प्रदीप और योगेश के साथ कुलदीप साथ शराब पीने के बाद घर लौटे थे। पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में जुट

पप्पू गिरधारी की तलाश में फिर दबिश, मैनेजर से संपर्क के मिले इनपुट

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) बरेली। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य की शिकायत के बाद उनके पति पप्पू गिरधारी की तलाश में उत्तराखंड पुलिस ने बरेली में एक बार फिर दबिश दी। मंगलवार को पहुंची पुलिस टीम ने गिरधारी के करीबियों के बारे में जानकारी जुटाई। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को उनके मैनेजर से लगातार संपर्क में रहने के इनपुट मिले हैं। सर्विलांस के जरिए भी जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि, पप्पू गिरधारी का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस इस मामले

दिव्यांग की हत्या बिस्तर पर मिला शव, संपत्ति विवाद में छोटे भाई पर आरोप

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) बरेली। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के गांव कुरतरा में मंगलवार रात 45 वर्षीय दिव्यांग दीपचंद्र सक्सेना की हत्या कर दी गई। उन पर चाकू से वार किए गए। परिवार ने दीपचंद्र के छोटे भाई सतीश पर संपत्ति विवाद की वजह से हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सूचना मिलने पर जांच शुरू की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। संपत्ति विवाद में हत्या की आशंका – ग्रामीणों से जानकारी जुटाकर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने बताया कि दीपचंद्र ने गिरवी पड़ा दो बोधा खेत छुड़ाया था। तब से वही उसे जोत रहा था, जिससे सतीश नाराज था। सतीश अपना हिस्सा मांगता था। डेढ़ साल पहले भी



सतीश खेत के चक्कर में दीपचंद्र की पिटाई कर चुका था, जिसका मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने सतीश और उसके द्वारा बताए गए तीन अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। सीओ मीरगंज अजय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार

तमंचे से कुलदीप के पेट में गोली मार दी। गोली लगने से वह लहलुहान होकर नीचे गिर गए। फायरिंग की आवाज सुनकर परिजन और आस-पड़ोस के लोग आ गए। इसके बाद हमलावर धमकी देकर भाग गए। परिजन घायल को लेकर डिलारी के सरकारी अस्पताल ले गए सूचना मिलने पर पुलिस भी आ गई। हालत गंभीर होने पर कुलदीप को रेफर कर दिया गया। परिजन घायल को जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। इससे परिवार में चीख-पुकार मच गई। कुलदीप का तीन साल का बेटा जीत हैं। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि कुलदीप की पत्नी ने चार लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस टीम हत्यारोपियों की तलाश में जुट गई है। उधर मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक की पत्नी प्राची ने पुलिस से इंसाफ की मांग की है।

उत्तराखंड पुलिस ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) भी गठित की है। वायरल ऑडियो में बेटे रिकू का जिक्र इस प्रकरण से जुड़ी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित एक कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग में पप्पू गिरधारी और उनके मैनेजर के बीच बातचीत होने का दावा किया जा रहा है। इसमें गिरधारी मैनेजर को भरोसा देते सुनाई देते हैं कि परेशान होने की जरूरत नहीं है, उनका बेटा रिकू सब कुछ संभाल लेगा। बातचीत के दौरान मैनेजर इस बात पर आपत्ति भी जताती है, लेकिन गिरधारी उसे आश्वस्त करते रहते हैं कि रिकू लगा हुआ है और सब देख लेगा।

पर सबूत जुटाकर हत्या का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने घटनास्थल से शराब के छह पौआ और एक डंडा बरामद किया है। इनमें से दो पौआ खाली थे। फील्ड यूनिट ने भी महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं।

गन्ने के खेत में मिला चार महीने से लापता युवक का कंकाल

@ क्यूँ न लिखूँ सच

अमरिया (पीलीभीत)। अमरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर गन्ने के खेत में मानव कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। अमरिया-बिलासपुर मार्ग पर लौहरगंज निवासी मलकीत सिंह के खेत में गन्ने की छिलाई कर रहे मजदूरों ने कंकाल देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान कंकाल की पहचान बिलासपुर निवासी धनीराम कश्यप (32) पुत्र आत्माराम के रूप में हुई। वह 24 जून 2026 से लापता था। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब तीन बजे मजदूर खेत में गन्ने की छिलाई कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर मानव कंकाल पर पड़ी। खेत में कंकाल मिलने की सूचना पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। अमरिया थानाध्यक्ष अमित सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद फॉरेंसिक टीम को



बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए।

चार महीने से तलाश कर रहे थे परिजन- धनीराम के लापता होने के बाद उसकी पत्नी रेखा की तहरीर पर अमरिया थाने में गुमशुदगी दर्ज की गई थी। परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार को कंकाल मिलने के बाद परिवार में दुख का माहौल है। हालांकि, उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी पता नहीं चल सका है। पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गया पीछे- धनीराम चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। उसके परिवार में पत्नी रेखा

(28), बेटा आनंद (15) और पांच वर्षीय बेटी आराध्या हैं। परिजनों के अनुसार, धनीराम खेतीबाड़ी और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। पोस्टमार्टम के लिए भेजा कंकाल- थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि कंकाल का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

जनगणना में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं, DM अविनाश सिंह ने परखी प्रगणकों की ट्रेनिंग

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण को लेकर बरेली प्रशासन एक्शन मोड में है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मौलाना आजाद इंटर कॉलेज और तिलक इंटर कॉलेज पहुंचकर प्रगणकों व सुपरवाइजरों के 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम अविनाश सिंह ने स्पष्ट कहा है कि जनगणना राष्ट्र निर्माण का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिससे देश के विकास की नीतियां तय होती हैं। इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एमएलसी चुनाव में गड़बड़ी की तो सीधे नपेंगे, पुलिस लाइन में एसएसपी का कड़ा अल्टीमेटम

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) बरेली। उत्तर प्रदेश विधान परिषद (एमएलसी) की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन सीटों पर 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान को लेकर खाकी पूरी तरह मुस्तैद हो गई है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित रवींद्रालय में आयोजित हाईलेवल ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने दोटूक चेतावनी दी कि

हेड कांस्टेबल वंदना ने ऑल इंडिया

पुलिस क्लस्टर में जीता गोल्ड

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) बरेली। हरियाणा के मधुबन (करनाल) में आयोजित 75वें ऑल इंडिया पुलिस रेसलिंग क्लस्टर 2026-27 में जनपद की महिला हेड कांस्टेबल वंदना ने स्वर्ण पदक जीतकर पुलिस महकमे का नाम रोशन किया है। पुलिस लाइन में तैनात वंदना ने यह उपलब्धि आर्म-रेसलिंग प्रतियोगिता के 65 किग्रा भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए हासिल की। इस सफलता पर



फील्ड में जाने वाले कार्मिकों को निर्धारित 40 प्रश्न ही पूछने होंगे। आम जनता से किसी भी प्रकार के दस्तावेज या कागजी प्रमाण मांगने पर सख्त मनाही रहेगी। शंकाओं का तत्काल समाधान 21, 22 और 24 अक्टूबर तक चलने वाली इस ट्रेनिंग में कार्मिकों को पूरी गंभीरता से भाग लेने और सभी

संशय मौके पर ही दूर करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण स्थलों पर कार्मिकों के लिए भोजन व नाश्ते के पुख्ता इंतजाम किए गए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, एडीएम सिटी डॉ. अविनाश त्रिपाठी और सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

एमएलसी चुनाव में गड़बड़ी की तो सीधे नपेंगे, पुलिस लाइन में एसएसपी का कड़ा अल्टीमेटम



मतदान में खलल डालने वालों को किसी सूत्र में बख्शा नहीं जाएगा। एसएसपी ने बैठक में मौजूद सभी क्षेत्राधिकारियों, प्रभारियों और जवानों को शत-प्रतिशत सतर्कता बरतने के आदेश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का हर हाल में पालन कराया जाए और अफवाह फैलाने या अशांति की कोशिश करने वालों पर तत्काल कठोर कानूनी एक्शन लिया जाए। ब्रीफिंग में एसपी सिटी, एसपी नॉर्थ, एसपी साउथ और एसपी ट्रेफिक समेत जिले भर के आला पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। एसएसपी ने कहा कि जिले के चप्पे-चप्पे पर सख्त पहरा रहेगा, ताकि हर मतदाता बेखौफ होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। चुनावी ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी।



एसएसपी अनुराग आर्य ने वंदना को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि वंदना की कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है, जिस पर पूरे जिले की पुलिस को गर्व है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि, अफसरों ने अर्पित किए पुष्प चक्र

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर प्ु ल स लाइन में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अपर



पुलिस महानिदेशक (एडीजी) बरेली जोन रमित शर्मा, पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य सहित कई अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किए। यह कार्यक्रम पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने कर्तव्य की वेदी पर प्राणों की आहुति देने वाले शहीद जवानों को याद किया।

रेलवे सुरक्षा बल लाइन इज्जतनगर में शहीद दिवस का आयोजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल स्थित रेलवे सुरक्षा बल लाइन में आज ड्यूटी के दौरान कर्तव्य का निर्वहन करते हुए शहीद हुए बल सदस्यों की स्मृति में शहीद परेड का आयोजन किया गया। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त मिथुन सोनी ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अधिकारियों और जवानों ने मौन रखकर शहीदों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान शहीदों के त्याग तथा राष्ट्र और रेल यात्रियों की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा का स्मरण किया गया। कार्यक्रम में रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी और बड़ी संख्या में जवान उपस्थित थे।



डेलापीर मंडी में गोदाम में लगी आग, लाखों का बारदाना जला

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) बरेली। डेलापीर गल्ला मंडी में मंगलवार रात बारदाना गोदाम में आग लगने से अफरातफरी मच गई। गोदाम में रखे खाली बारदाने ने आग पकड़ ली और लपटें तेजी से फैलने



लगीं। सूचना पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों ने घंटों मशकत कर आग पर काबू पाया। आग फैलने की आशंका के चलते आसपास के गोदाम भी खाली कराए गए। अग्निकांड में लाखों रुपये का बारदाना जलने का अनुमान है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इज्जतनगर थाना क्षेत्र स्थित डेलापीर गल्ला मंडी में मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे अंकुर माहेश्वरी के गोदाम से आग की लपटें उठती दिखाई दीं। गोदाम में खाली बारदाना रखा हुआ था। आग लगते ही मंडी में मौजूद लोगों के बीच हलचल मच गई। आग तेजी से फैलती देख पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई।

भोजीपुरा में 22 अक्टूबर से फूड प्रोसेसिंग का विशेष प्रशिक्षण शिविर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) बरेली। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र, बरेली दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने जा रहा है। कार्यक्रम का शेड्यूल- पहला शिविर 22 व 23 अक्टूबर – ग्राम कल्यानपुर हिकमत अली (विकासखंड भोजीपुरा) दूसरा शिविर 26 व 27 अक्टूबर – इस दो दिवसीय शिविर में ग्रामीणों को खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) की व्यावहारिक तकनीकें सिखाई जाएंगी। केंद्र के प्रभारी ने स्थानीय निवासियों और युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस नि:शुल्क प्रशिक्षण का लाभ उठाएं और आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएं।

आर.बी.एस.के. की पहल से बच्चों को क्लबफुट की बीमारी से मिली राहत,निःशुल्क उपचार बना सहारा

आर.बी.एस.के. टीम ने दो बच्चों में क्लब फट की पहचान कर कराया उपचार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

पीलीभीत –राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान दो बच्चों में जन्मजात क्लब फुट की समस्या की पहचान की गई। टीम ने परिजनों को बीमारी के संबंध में जानकारी देते हुये उपचार की प्रक्रिया समझाई और बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पीलीभीत भेजा।

आर.बी.एस.के. टीम की स्क्रीनिंग के दौरान अदीबा, पुत्री फारूख विकासखण्ड पूरनपुर के गांव माधौटांडा तथा समर्थ पुत्र राजेन्द्र सिंह विकासण्डा ललौरीखेडा के ग्राम नानपसिया में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान क्लब फुट की बीमारी से ग्रसित बच्चों की समस्या सामने आयी। टीम ने बच्चों के उनके परिजनों जिला अस्पताल में ही उपचार कराने के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चों में जन्मजात विकारों सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की समय से पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं उच्च स्वास्थ्य संस्थानों तक रेफर किया जाता है। इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों



के बच्चों को भी सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अनुष्का फाउंडेशन के सहयोग से जनपद में क्लबफुट की बीमारी (जन्म से टेढ़े पैरों) की बीमारी से ग्रसित बच्चों का निःशुल्क उपचार करा रहा है, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक बच्चे में जन्मजात क्लबफुट (जन्म से टेढ़े मेढ़े पैर) की पहचान कर उसके उपचार की राह आसान की। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चे को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इस सफलता में ब्लाक पूरनपुर

की आर.बी.एस.के. टीम ए से डॉ रंजीत रंजन एवं शिखा सरन स्टाफ नर्स एवं ब्लाक ललौरीखेडा से डॉ हरजिंदर, डॉ दीपा बाजपेई, महविश जहाँ स्टाफ नर्स एवं देवेन्द्र अस्थाना फिजियोथेरेपिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। परिजनों ने आर.बी.एस. टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर बीमारी की पहचान और सरकारी स्वास्थ्य सुविधा की जानकारी मिलने से बच्चे के उपचार की उम्मीद जगी है। आर.बी.एस.के. कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जन्मजात एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित करना है।

जनगणना ड्यूटी मे अनियमितता पर शिक्षामित्रो ने जताया विरोध , सौपा ज्ञापन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। जनगणना कार्य मे शिक्षामित्रो की ड्यूटी कथित रूप से अनियमित तरीके से लगाए जाने को लेकर शिक्षामित्रो में भारी नाराजगी देखने को मिली। शिक्षामित्रो ने आरोप लगाया कि ड्यूटी निर्धारण मे पारदर्शिता नही बरती गई तथा उन्हें नगर निगम क्षेत्रों मे मनमाने ढंग से तैनात कर दिया गया। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष कपिल यादव के नेतृत्व मे शिक्षामित्रो ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारी नारायण सिंह को व बीएसए कार्यालय मे भी बीएसए को ज्ञापन दिया। जिलाध्यक्ष कपिल यादव ने बताया कि दूर के ब्लॉकों में तैनात व वही के रहने वाले शिक्षामित्रो को 60 से 70 किलोमीटर दूर नगर निगम में जनगणना कार्य के लिए भेजा जाना पूरी तरह से अव्यावहारिक



और अन्यायपूर्ण है। उदाहरण देते हुए बताया गया कि दमखोदा, नवाबगंज, मीरगंज, बहेड़ी के शिक्षामित्र की ड्यूटी नगर निगम मे तैनाती कर दी गई थी, जो पूरी तरह अव्यवहारिक है। जिला महामंत्री कुमुद केशव पांडे ने बताया कि शिक्षामित्र को तैनाती स्थल के आसपास जनगणना कार्य में लगाया जाए। जिससे वह आसानी से जनगणना कार्य को कर सके और उन पर मानसिक व

आर्थिक बोझ न पड़े। उन्हें प्रतिदिन अपने गांव से 70 किलोमीटर नगर निगम मे जाकर ड्यूटी कर पाना संभव नही है। महिला शिक्षामित्र की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। ज्ञापन देने वालों मे जिलाध्यक्ष कपिल यादव, महामंत्री कुमुद केशव पांडे, सीमा सक्सेना, सर्वेश पटेल, सरवन कुमार, रवि शंकर मिश्रा, रीना, बसंती, सविता, सुनीता, रामकिशन, प्रतिष्ठा सहित कई शिक्षामित्र मौजूद रहे।।

विदिशा में रघुवंशी समाज ने किया शस्त्र पूजन, शौर्य और संस्कारों की परंपरा को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

@ क्यूँ न लिखूँ सच

(हाकम सिंह रघुवंशी) इस अवसर पर रघुवंशी समाज के जिलाध्यक्ष मोहर सिंह रघुवंशी ने कहा कि शस्त्र पूजन हमारी गौरवशाली परंपरा और शौर्य का प्रतीक है। यह हमें धर्म, न्याय, आत्मसम्मान और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराता है। समाज की एकता को मजबूत करना, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों तक अपने संस्कार पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता है। वहीं, रघुवंशी समाज के युवा जिलाध्यक्ष रविंद सिंह रघुवंशी ने कहा कि युवा किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति



होते हैं। युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करते हुए सामाजिक एकता, सकारात्मक बदलाव और समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। शस्त्र पूजन हमें साहस, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में नटेरन ट्रस्ट अध्यक्ष भगत सिंह रघुवंशी जी , कार्यकारी जिलाध्यक्ष रघुवंशी समाज महेंद्र रघुवंशी जी , विदिशा ब्लाक अध्यक्ष रघुवंशी समाज संजय रघुवंशी जी ,

रघुवंशी युवा शक्ति संगठन के जिलाध्यक्ष घनश्याम रघुवंशी जी एवं कार्यक्रम प्रभारी धर्मेन्द्र रघुवंशी जी ,ललित रघुवंशी जी हर्षवर्धन रघुवंशी जी प्रमोद रघुवंशी जी वीर सिंह जी गौरव जी अनिल सिंह जी प्रवेश जी लखन सिंह जी प्रवेन्द्र जी सहित समाज के अन्य पदाधिकारी, वरिष्ठजन एवं युवा उपस्थित रहे। रघुवंशी समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक गौरव और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया। आयोजन का उद्देश्य समाज को संगठित करते हुए अपनी गौरवशाली विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना रहा।

व्यापार मंडल ने विधायक विनोद चतुर्वेदी का किया सम्मान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

कालपी (जालौन)।(नीरज कुमार) – स्थानीय नगर के मुख्य बाजार टरनंगंज में दशहरा पर्व के अवसर पर व्यापार मंडल के तत्वावधान में क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी का स्वागत किया गया। इस दौरान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने अतिथियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर अध्यक्ष रविंद्र नाथ गुप्ता के नेतृत्व में व्यापार मंडल के पदाधिकारी विधायक विनोद चतुर्वेदी के परिवार के सदस्यों से मिले। इस अवसर पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में व्यापार मंडल से जुड़े दर्जनो लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर नगर अध्यक्ष रविंद्र नाथ गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, रवींद्र गुप्ता, अतुल बड़ेरिया,



विधायक का सम्मान

राजेंद्र साहू, मंटू विश्वकर्मा, पिंटू गुप्ता, राजेंद्र गहोई, प्रेम कुमार, संजय गुप्ता, रीतू गुप्ता, विवेक पुरवार, जुबेर खान, मोहम्मद भाई, त्रिभुवन देवांश आदि व्यापारियों ने फूल माला

पहनाकर विधायक विनोद चतुर्वेदी का सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता बनाए

विकलांग युवक की गला दबाकर और चाकू से हमला करके की हत्या

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। गांव कुरतरा में बीती रात विकलांग 45 वर्षीय दीपचन्द्र सक्सेना की गला दबाकर और चाकू से हमला करके हत्या कर दी। सुबह देर तक नहीं उठने पर छोटे भाई सुधीश की पत्नी पूजा चाय लेकर गई मृत हालत में देखकर भौचक रह गई। चीखने पर मोहल्ले के लोग इकट्ठे हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोल्ड यूनिट की टीम ने जांच पड़ताल करके सबूत जुटाए। पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पूजा और सतीश की बेटी समेत मोहल्ले के लोगों ने छोटे भाई सतीश के द्वारा हत्या करने की बात कही है। सतीश पूजा पाठ को लेकर मानसिक रोगी भी बताया जाता है जिसके चलते उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गयी है। बताया रात को वह गांव के कई लोगों के साथ मेले से लौटकर आने के बाद कमरे में सोया था जिस कमरे में सो रहा था। उसका दरवाजा अंदर से बंद था। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने



बताया स्वर्गीय पिता ओमप्रकाश के द्वारा गिरवी पड़ा 2 बीघा खेत दीपचंद्र ने छुड़ाया था। तब से वही उसे जोत वो रहा था जिसको लेकर छोटा भाई सतीश नाराज रहता था। वह अपना हिस्सा मांगता था। पिछली वर्ष सतीश ने खेत के चक्र में दीपचंद्र को लहलुहान कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने कार्यवाही की थी। बताया सतीश और उसके द्वारा बताए तीन लोग को हिरासत में लिया गया है। मृतक के कमरे से शराब के 6 पौआ और जिससे गला दबाकर हत्या की गई है। वह डंडा बरामद किया गया है। मौके पर पहुंचे सीओ ने बताया पोस्टमार्टम

के रिपोर्ट के आधार पर सबूत जुटाकर हत्या का खुलासा किया जाएगा। अवैध शराब बेचना उसकी जान पर भारी ग्रामीणों ने दबी आवाज में बताया मृतक विकलांग होने के कारण अवैध रूप से शराब बेचता था जिसके चलते कई असमाजिक तत्व भी उसके पास शराब खरीदने आते थे। कुछ लोग वहीं पीते थे। वह देशी पडआ कस्बा से खरीदकर लाने के बाद 20,30 रुपये फायदे से बेच देता था। विकलांग होने के कारण कोई उसकी शिकायत नहीं करता था। पुलिस ने उसके पास से शराब के पऊआ बरामद भी किए हैं।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने रावण के पुतले का किया दहन।

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे में रामलीला ग्राउंड में रावण के पुतले का हुआ दहन। असत्य पर सत्य की हुई विजय। जानकारी के अनुसार रामलीला ग्राउंड में कई दिनों से रामलीला मंचन किया जा रहा है। मंगलवार देर रात्रि विजयदशमी के त्योहार पर मंच पर लीलाओं का मंचन करने के बाद खुले मैदान में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने तीरों के प्रहार करके बुराई के प्रतीक लंकापति रावण का वध कर दिया। इस दौरान रावण की अस्थियां लेने के लिए भीड़ टूट पड़ी। सुरक्षा की दृष्टि से खड़े पुलिस कर्मी कुछ समझ पाते इससे पहले देखते देखते लोग रावण की सभी अस्थियां लेकर रफूचक़र हो गए। दशहरा मेले में कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों से आई भारी भीड़ जुटी रही। मेले में लगी विभिन्न प्रकार की दर्जनों दुकानों पर खूब खरीदारी की



गई। इस दौरान मेले में लगे झूलों पर बच्चों और महिलाओं की खूब भीड़ दिखी। रामलीला ग्राउंड में रावण वध के दौरान मीरगंज विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा, मेला कमेटी के अध्यक्ष ओमेंद्र सिंह चौहान, मेला मंत्री महिपाल सिंह, जिला मंत्री संजय चौहान, लेखपाल आदित्य गंगवार, कमल गुप्ता, सचिन चौहान, अमित सिंह, डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, पंडित पवन

पांडेय, सभासद प्रदीप गुप्ता, जितन चौहान, सभासद अबोध सिंह, नेत्रपाल सिंह, पूर्व प्रधान वेदपाल सिंह, कौशल शर्मा, मनोज दिवाकर, सुनील पांडेय, सुरेश गुप्ता, प्रदीप गर्ग के साथ कमेटी अन्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान थाना प्रभारी प्रवीन कुमार कुमार चौकी प्रभारी आदेश कुमार के साथ भारी पुलिस बल और पीएसी के जवान मुस्तैद रहा।

संक्षिप्त समाचार

दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों से मारपीट मटेरा पुलिस ने दर्ज की FIR, जांच शुरू

@ क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बहराइच के थाना मटेरा अंतर्गत ग्राम खटिकनपुरवा लालपुर शिवपुर में नव दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों और ग्रामीणों के साथ मारपीट का एक गंभीर मामला सामने आया है। घटना में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मटेरा पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच उप-निरीक्षक सूर्य कान्त चौबे को सौंपी गई है। नव दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष कमलेश कुमार (पुत्र जगदीश प्रसाद) द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, समिति के सदस्य पृथ्वीराज, रामफेर, रिकू, सर्वेश कुमार, धनीराम और हंसराज गाड़ी से प्रसाद वितरण के लिए मटेरा चौराहा जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में मजरे सरैया के पास बाइक से एक बच्ची के टकरा जाने के बाद विवाद शुरू हुआ। केसरी, बेचू, हिगांड, हगनू (सभी के पिता का नाम- मलंग) और फारूख (पुत्र कमाल खां) सहित अन्य लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने गाड़ी में रखा प्रसाद फेंक दिया और बाइक पर सवार तीन लोगों को मारने पीटने लगे। इस हमले में पीड़ितों को काफी चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही मटेरा थाना पुलिस ने मामले ने गंभीरता से लिया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है और फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घायलों को चिकित्सीय उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पूरी घटना की जांच की जा रही है।

दूसरी बेटी आने पर मनाया बेटे जैसा जश्न, वाहन और घर को सजाया, पटाखे फोड़े

बिलारी बेटियां देवी का स्वरूप मानी जाती है पहली बार बेटी होने पर उसे लक्ष्मी का आगमन मान कर खुशी मनाई जाती है। परंतु सहसपुर में एक प्राइवेट टीचर के घर में दूसरी बेटी आने पर बेटे जैसा जश्न मनाया गया घर को सजाया और नवरात्र में बेटी को देवी का आगमन मानकर पुष्प बरसाकर, आरती उतारी जयकारे लगाए। बेटी का जन्म सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत हुआ। इसके उपरांत मंगलवार की शाम को अस्पताल से मां बेटी को जिस वाहन में लाया गया उसे भी सजाकर सम्मानपूर्वक घर लाया गया। बेटी के घर वालों ने पहले से ही घर की दीपावली जैसी डेकोरेशन कर रखी थी, बेटी का आगमन होते ही पटाखे फोड़े गए। बेटी के पैरों का टैटू भी कपड़े पर लिया। इस परिवार का संदेश है कि बेटी बेटे प्रकृति की देन हैं जो मिले उसे सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। बेटियों की परवरिश भी बेटों जैसी करनी चाहिए। यह नजारा देखकर मोहल्ले में खूब चर्चा होती रही। परदादी कमलेश सक्सेना, दादी अनीता और सोनी, बुआ सिमरन और वंशिका समेत घर के सभी सदस्यों ने खुशी मनाई। कमरे को विशेष प्रकार से सजाया, केक भी काटा। किसी शायर ने क्या खूब कहा है— बेटियां होती हैं पुरनूर चिरागों की तरह, रोशनी कर देती हैं जहां जाती हैं।,,, पढ़ें बेटियां,,, बढें बेटियां,,,,,।

शिक्षकों से मिलकर जानीं उनकी अपेक्षाएं और समस्याएं, सपा विधायक और चुनाव अधिकारी का भ्रमण

बिलारी । बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से



समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर के समर्थन में बुधवार को सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इफ्रान और चुनाव प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष फिरोज खां ने बिलारी क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों का भ्रमण किया। शिक्षकों से संवाद कर हाजी दानिश अख्तर के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मोहम्मद अली जौहर हायर सेकेंडरी स्कूल, बीएचपी इंटर कॉलेज, आजाद पब्लिक इंटर कॉलेज, शंकर सहाय हर सहाय कन्या इंटर कॉलेज, एसएमएस वैद्यजी पब्लिक स्कूल, एवरग्रीन कोहिनूर इंटर कॉलेज, अनवार इंटर कॉलेज और रॉयल पब्लिक स्कूल पहुंचे। यहां उन्होंने शिक्षकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं के बारे में जानकारी ली। चुनाव प्रभारी ने कहा कि शिक्षकों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता होनी चाहिए। शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनकी आवाज को उचित मंच पर उठाना जरूरी है। विधायक ने कहा कि शिक्षकों के सम्मान, अधिकारों और हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए शिक्षक प्रतिनिधि का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

This folk song from Bihar goes beyond Pawan Singh and Khesari's songs, and is related to the Jat-Jatin dance; it depicts the conflict between husband and wife.



Her childhood passed without a maang tika, but Jat didn't fulfill her wish. In response, Jat says that he did bring her a maang tika, but why didn't Jatin wear it? Why did she spend her childhood remembering her parents and not even wear the maang tika he gave her? Jatin then similarly complains about Jatin not bringing other jewelry, such as nose rings, bracelets, and anklets. She says that despite her repeated requests, Jat didn't bring these for her. In response to these complaints, Jat would always say, "I brought the jewelry, but Jatin never wore it." Husband-Wife Reproaches - This song depicts the sweet banter between a husband and wife, in which both love and reproach are heard. The wife complains to her husband, and the husband responds to her complaints in a very sweet manner. The specialty of Jat-Jatin songs: Jat-Jatin songs are always sung in a question-and-answer format, which reflects the conversation between husband and wife during the dance. Jat and Jatin take turns expressing their views and presenting them to the audience through dance. These songs not only deal with love but also address issues like poverty, domestic problems, and the husband's departure for a foreign land. A special feature of these songs is that they are sung in a very traditional local language, which makes them more relatable.

Is one dose not enough? Why is it so important to administer polio drops repeatedly to children under 5?

Repeated administration of polio drops is essential for children under five. Polio is a serious disease that can change a child's life forever in a matter of days. A cheerful child can suddenly suffer from muscle weakness, and in severe cases, to World Health Organization data, one in irreversible paralysis. Furthermore, when the 5 to 10 percent of such children die. life-saving shield for children under 5. Why under five years of age are developing developed. Therefore, they are more Polio Program prioritizes children of this age five years of age is given a dose of oral polio body? The polio virus enters the body in the body, the virus first multiplies in the attacking the nervous system. The oral polio viruses. When given to children, it causing the body to produce antibodies children from this dangerous disease but also necessary to administer polio drops to be given polio drops repeatedly after process of building immunity. Diet, depending on a child's rate of developing lasting protective shield in the child's body. There are two types of polio vaccines, and they complement each other. The oral polio vaccine boosts immunity in the intestines, reducing the risk of virus transmission. The injectable vaccine strengthens the body's immunity and prevents paralysis. Therefore, it is important to ensure children receive both vaccines. India is polio-free, so why the precautions? India is polio-free, but the disease has not been eradicated. The risk remains due to international travel and infections in some parts of the world. Also, the oral polio vaccine is very safe and effective, but in rare cases, the weakened virus may not lead to proper immunity. Therefore, ensure your child under 5 years of age receives a dose during every polio campaign.



paralysis, which can never be cured. According every 200 children affected by polio develops virus affects the muscles that help with breathing, Therefore, two drops of polio vaccine are like a are children under 5 the most targeted? Children immunity to fight infection, but it hasn't fully susceptible to the virus. Therefore, India's Pulse group. Under this campaign, every child up to vaccine. How do two drops of polio affect the through food, dirty water, or infected feces. Once intestines and then enters the bloodstream, vaccine contains carefully weakened polio strengthens the intestinal mucosal immunity, against them. This vaccine not only protects helps prevent its spread in society. Why is it repeatedly? Parents often ask why a child needs receiving the first dose. The answer lies in the environment, and other factors can vary immunity. Repeated doses create a strong, long- Why are both drops and injections necessary?

This train offers a roller coaster-like adventure, taking you from the Blue Mountains to Dinosaur Valley.

The Scenic World train in New South Wales, Australia, is the world's steepest railway, running at a 52-degree incline. Do you know of a train that reminds you of an adventure park roller coaster while traveling? Indeed, Scenic World in New South Wales, Australia, boasts a train that can be a once-in-a-lifetime experience. This passenger railway is the world's steepest, making traveling on it no less than a thrilling experience. Furthermore, the destinations this train serves are also quite special. Let's learn more about this unique train. 52-Degree Slope - The Scenic Railway runs at a 52-degree incline. When the train descends this incline, it's so thrilling that all passengers inside are left breathless. The Hamann family built this railway approximately 150 years ago for mining purposes. However, over time, it was transformed into a tourist ride, and today, tourists from all over the world come to enjoy this train ride. Beautiful View of the Blue Mountains: This train takes passengers to the beautiful heights of the Blue Mountains, offering a breathtaking view of the lush rainforest below. During the rainy season, the entire area is shrouded in a blanket of mist, further enhancing its beauty. Dinosaur Valley Experience: This exciting journey doesn't end here. From here, passengers can also see the Three Sisters, Katoomba Falls, and Jameson Valley. Afterward, visitors can walk through the rainforest to experience its beauty up close. Additionally, there's Dinosaur Valley for children and families. This interactive park features over 60 life-size models of prehistoric creatures from around the world. Excellent food and drink arrangements - During this tour, the park's café serves delicious dishes like burgers and fried chicken. There are also many options for vegetarians, and halal options are also on the menu. When to visit? - On weekends and public holidays, it is open from 9 am to 5 pm. On other days, its timing is from 10 am to 4 pm. All rides depart from each platform approximately every 10 minutes. If



you want to explore the entire Scenic World thoroughly, it may take about 2-3 hours.

34 years ago, Urmila Matondkar was swept away by a wave while filming a song; the actress narrowly escaped death.

34 years ago, while filming a love song in Sri Lanka, Urmila Matondkar was suddenly pulled under by the waves, narrowly escaping death. Urmila Matondkar was drowning while filming a romantic song. Urmila Matondkar recounted the actor in Sri Lanka." Whenever we talk name is always included. Beginning her films like Judaai, Rangeela, and Satya. Lanka, Urmila Matondkar was swept dire that the actress narrowly escaped Urmila Matondkar herself shared this occurred during the filming of the 1992 she said, "We were shooting in Sri Lanka on a large rock. The camera was on a facing the sea, so I couldn't see anything. and fell. The force of the waves coming and was floating in the water." Nagarjuna incident during the shooting of Drohi, me and caught me quickly. I couldn't what to do because I was floating with to the rock. He and I held on tightly to my eyes, I asked everyone, 'I am alive.'" two minutes. I had a lot of fun while Pancham Da - This incident with Urmila Matondkar happened during the romantic song 'Tum jo mile to laga hai jaise mili zindagi' from Drohi. This song was a big hit, in which the chemistry of the actress and Nagarjuna was seen. This song of the film, directed by Ram Gopal Varma, was sung by Suresh Wadkar. Its lyrics were written by Javed Akhtar. The music of the superhit song was given by Pancham Da.



horrific incident: "The actress was shooting with an about top actresses of the 90s, Urmila Matondkar's career as a child artist, she delivered numerous hits in But did you know that during a song shoot in Sri away by a current of water. The situation became so death? While filming a song on rocks by the sea, anecdote about drowning in deep water. This incident film Drohi. In an old interview with Lahare Retro, and were on the beach. Nagarjuna and I were sitting plane, we were told the scene, and my back was Before I could understand anything, I suddenly flew from the sea was so great that I was thrown away helped her out of the water - Urmila, narrating an further said, "Nagarjuna, who was my co-star, saved swim. I was so terrified at that time that I didn't know the water. He caught me and advised me to hold on the rock. I thought I was dead, but when I opened I am alive, right? I couldn't understand anything for shooting that song." She was shooting this song of

The Doordarshan serial that made Amitabh fall off his chair, and his family would be glued to the TV in the evening.

34 years ago, Doordarshan aired a brilliant show that even Amitabh Bachchan himself fell off his chair laughing after watching a few glimpses of it. Big B fell off his chair after watching this popular 90s show. The comedy show was a favorite characters based on his own family. have remained etched in their minds even special for children born in the 80s and 90s. with its on-the-spot editing. This show was his chair from laughing so hard. The The memorable Doordarshan show we're show was titled Dekh Bhai Dekh. This Anand Mahendru. The director of Dekh shared an anecdote related to Amitabh me and said, 'I'm opening a channel in the decided to make a comedy show about a that, I got a call from Amitabh Bachchan, laughing so hard after watching it that he his own family Anand Mahendru also Dekh came not from anywhere else, but from Farida Jalal was inspired by his mother, elder brother. He also revealed that he said, "I knew that I was taking Farida ji and Sushma ji in the show. Although, I had also approached Harsh Chhaya for the role of Shekhar Suman, but Shekhar's comedy timing was so good that I finalized him for the show." Editing was done on the spot - Doordarshan's Dekh Bhai Dekh is one of those shows in which multi camera setup was used for the first time. The director said, "We improvised a lot. Lilliput wrote the dialogues. I explained all the scenes to the actors. Thankfully, we had a bank of episodes, so there was never any pressure during the airing. We even shot 13 episodes of the show in London." Which stars appeared on the show? Dekh Bhai Dekh was directed by Anand Mahendru, while Jaya Bachchan was the producer. Veteran directors like Sushma Seth, N.K. Shivpuri, Naveen Nischol, Shekhar Suman, Farida Jalal, Bhavan Balsavar, Vishal Seth, Natasha Singh, Amar Upadhyay, Deven Bhojani, Urvashi Dholakia, and Satish Shah worked on the show. Approximately 50 episodes of the show aired. The show aired every evening at 6 pm, where the entire family would sit together to watch the show after finishing their work. What was the story of Dekh Bhai Dekh? The story of Doordarshan's popular show Dekh Bhai Dekh revolves around three members of the Diwan family. The series revolved around two generations living together in their ancestral family in Mumbai. The series explored the complexities of a joint family, including business problems, parenting, and in-laws.



among children and adults alike. The director created Doordarshan has given viewers many TV shows that after years. That era of Doordarshan was especially 34 years ago, a similar show aired on DD National, so amazing that even Amitabh Bachchan once fell off Doordarshan show created a sensation 34 years ago. referring to in this article aired on May 6, 1993. The popular DD show was directed by popular director Bhai Dekh, while talking to Hindustan Times in 2016, Bachchan. He said, "In 1992, Jaya Bachchan came to UK and I want you to make a comedy show for it.' I joint family. I shot the pilot and sent it to Jaya. After who said he loved the pilot so much that he was fell off his chair." Created a comedy show inspired by revealed that the inspiration for the serial Dekh Bhai his own family members. The character played by while Naveen Nischol's character was inspired by his created Dekh Bhai Dekh in 10 days. The director had

Priyanka Chopra has distanced herself from her upcoming film with Saif Ali Khan, deciding to leave the project on the day of shooting.

Priyanka Chopra has distanced herself from the upcoming Ritesh Batra-directed film starring Saif Ali Khan. Shooting began in Mumbai on October 21st. Priyanka Chopra's departure from Saif Ali Khan's film was due to scheduling issues. Shooting began in Mumbai on October 21st. Priyanka Chopra was soon to be seen opposite Saif Ali Khan in a film. The film's title is yet to be finalized, but it's being described as a period drama. Ritesh Batra was to direct it. Shooting began in Mumbai on October 21st. However, this is somewhat disappointing news for PC fans. According to reports, Priyanka is no longer a part of the project. What prompted Priyanka to leave the project? The Desi Girl will no longer be seen in the film due to scheduling issues. The makers are in talks with two other actors. According to a Mid Day report, this information comes just days after the film's shooting began. The film is being shot at a museum in Byculla, Mumbai. A source close to the project said, "Priyanka was expected to be a part of the Mumbai shoot, but she had to back out. She wanted to play the lead role and was keen to work with both Saif and Ritesh." However, her pre-scheduled professional commitments created a date issue. The team tried to reschedule the dates, but things didn't work out. Talks are ongoing with two other actresses. Dates will be locked once one is finalized. It's worth noting that Priyanka Chopra and Saif Ali Khan have not worked together in a film before. Ritesh Batra has received international acclaim for several of his films. These include The Lunchbox in 2013, The Sense of Ending in 2017, Our Souls at Night in the same year, and Photograph in 2019.

